परम पूज्य महंत बाबा राम सिंह जी महाराज की कृपा एवं आशीर्वाद से निर्मल आश्रम अस्पताल (NAH) का उद्घाटन 13 अप्रैल 1990 को बैसाखी के पावन अवसर पर किया गया। स्थापना के बाद से यह अस्पताल ऋषिकेश तथा उत्तराखण्ड के आसपास के क्षेत्रों, विशेष रूप से नई टिहरी, पौड़ी, श्रीनगर, चम्बा एवं उत्तरकाशी में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। निर्मल आश्रम अस्पताल एक बहु-विशेषता युक्त (मल्टी स्पेशियलिटी) अस्पताल है, जो समाज को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

अस्पताल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों, साधु-संतों एवं गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाना है। यहाँ धर्म, रंग, जाति या संप्रदाय के भेदभाव के बिना सभी को ओ.पी.डी. परामर्श और आई.पी.डी. की सुविधा प्रदान की जाती है। "मानवीय स्पर्श के साथ स्वास्थ्य सेवा" निर्मल आश्रम अस्पताल का मूल सिद्धांत है। अस्पताल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक रोगी को पूर्ण चिकित्सा एवं आवश्यक देखभाल प्राप्त हो।

निर्मल आश्रम अस्पताल अपने अनुभवी चिकित्सकों की टीम, आधुनिक तकनीक तथा अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है। यह एक 90 बिस्तरों वाला अस्पताल है, जिसमें 24 घंटे आपातकालीन सेवाएँ, आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू., पुरुष एवं महिला वार्ड, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, शिशु रोग विभाग, आइसोलेशन वार्ड, नर्सरी, रिकवरी वार्ड, डीलक्स एवं प्राइवेट वार्ड जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अस्पताल की समर्पित और एकजुट टीम का एकमात्र उद्देश्य प्रत्येक स्तर पर श्रेष्ठ चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना है। आज निर्मल आश्रम अस्पताल, ऋषिकेश अपने आसपास के क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएँ देने में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है तथा संस्थान के उद्देश्यों को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संत जोध सिंह जी महाराज निर्मल आश्रम ट्रस्ट के सेक्रेटरी जनरल हैं। वे निर्मल आश्रम एवं इसके अंतर्गत संचालित संस्थानों निर्मल आश्रम अस्पताल, निर्मल आश्रम दीपमाला पगारानी पब्लिक स्कूल, निर्मल आश्रम ज्ञान दान अकादमी, निर्मल आश्रम आई इंस्टीट्यूट एवं हरि कृपा सिलाई केंद्र के सुचारु संचालन की पूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं।

संत जोध सिंह जी महाराज एक कर्मयोगी हैं, जो संत बाबा निक्का सिंह जी महाराज "विरक्त" के आशीर्वाद से निर्मल आश्रम ट्रस्ट की सभी सहयोगी संस्थाओं के समुचित प्रबंधन हेतु निरंतर एवं अथक प्रयास करते रहते हैं।

संत जोध सिंह जी महाराज
सेक्रेटरी जनरल

निर्मल आश्रम के आध्यात्मिक प्रमुख

परम पूज्य महंत बाबा राम सिंह जी महाराज
निर्मल आश्रम अस्पताल के संस्थापक

सर्वशक्तिमान परमात्मा की कृपा और ब्रह्मज्ञानी संत बाबा निक्का सिंह जी महाराज 'विरक्त' के आशीर्वाद से निर्मल आश्रम ऋषिकेश के संस्थापक महंत बाबा बुड्ढा सिंह जी महाराज के उत्तराधिकारी महंत राम सिंह जी महाराज को 10 नवम्बर 1982 को निर्मल आश्रम ऋषिकेश के महंत (आध्यात्मिक प्रमुख) का पद प्रदान किया गया। परम पूज्य महंत बाबा राम सिंह जी महाराज, ब्रह्मज्ञानी संत निक्का सिंह जी महाराज 'विरक्त' के शिष्य होने के नाते, सदैव अपने गुरु के सानिध्य में रहे जिस कारण बचपन से ही उनके भीतर आध्यात्मिक चेतना जागृत हुई और उन्होंने अपनी समर्पित, निःस्वार्थ सेवा और विनम्रता के द्वारा परम दिव्यता को प्राप्त किया। परम पूज्य महंत बाबा राम सिंह जी महाराज मानते हैं कि परमात्मा की रचना की सेवा करना ही परमात्मा की सच्ची पूजा है।

परमपूज्य महंत बाबा राम सिंह जी महाराज भारत एवं विदेशों में व्यापक यात्राएँ कर, सिक्ख गुरुजनों की शिक्षा 'परम सत्य' का प्रचार-प्रसार करते हुए मानव जाति को अज्ञानता की बेड़ियों से मुक्त करने की निःस्वार्थ भाव से सेवा प्रदान कर रहे हैं।

महाराज जी का कथन है, "मनुष्य को विनम्रता, ध्यान-साधना तथा जरुरतमंदों की सहायता के माध्यम से स्वयं को ईश्वर की सेवा में समर्पित कर देना चाहिए।"

महंत बाबा राम सिंह जी महाराज सदैव निर्मल आश्रम के ध्येय वाक्य "सबसे प्रेम, सबकी सेवा" को विविध परोपकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज में प्रसारित करने की दिव्य प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा तथा " हर जन को नेत्र-प्रकाश" (Vision for all) उनके प्रमुख चिंतन-क्षेत्र हैं।

उन्होंने ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) और करनाल (हरियाणा) में चैरिटेबल अस्पतालों, विद्यालयों, नेत्र-संस्थान एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाई है।

ੴ ॐ

ਰੋਗੀ ਕਾ ਪ੍ਰਭ ਖੰਡਹੁ ਰੋਗੁ॥
ਦੁਖੀਏ ਕਾ ਮਿਟਾਵਹੁ ਪ੍ਰਭ ਸੋਗੁ॥

हे प्रभु! रोगग्रस्त प्राणियों को रोगमुक्त करें।।
पीड़ितों का दुःख हरण करें।।

निर्मल आश्रम अस्पताल

(निर्मल आश्रम ऋषिकेश की एक इकाई)

नियमित ओ.पी.डी. समय
सोमवार से शनिवार, प्रातः 9:30 से 5:00 सायं

24X7 आपातकालीन सेवाएँ

मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल

निर्मल आश्रम अस्पताल

मायाकुण्ड, ऋषिकेश-249201
जनपद-देहरादून, उत्तराखण्ड (भारत)
फोन 0135-2439551, 52, 53, 54
मो0 8077763702
E-mail-nah@nirmalhospitals.com
Website-www.nirmalhospitals.com

स्पेशलाइज़्ड डिपार्टमेंट्स

जनरल सर्जरी

- पित्ताशय की पथरी, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील, बवासीर, फिस्टुला, फिशर, पेट की सर्जरी, गांठों की सर्जरी, थायरॉइड सर्जरी, स्तन सर्जरी, ठीक न होने वाले घाव, पैरों के अल्सर की सर्जरी
- लेप्रोस्कोपिक सर्जरी : लैप कोलेसिस्टेक्टॉमी, लैप एपेंडेक्टॉमी
- सिर की चोट, पेट व छाती की गंभीर चोटें
- वैरिकोज नसों की सर्जरी
- वैस्कुलर सर्जरी, ए.वी. फिस्टुला, बाईपास ऑपरेशन
- जलने का इलाज एवं प्लास्टिक सर्जरी
- कैंसर सर्जरी और कीमोथेरेपी
- बाल शल्य चिकित्सा : जन्मजात हर्निया, हाइड्रोसील, फाइमोसिस

चिकित्सा (हृदय एवं छाती)

- उच्च रक्तचाप, मधुमेह
- थायरॉइड, अस्थमा, निमोनिया, टीबी, फेफड़ों की बीमारी
- संक्रामक रोग, दीर्घकालिक खांसी, खून की उल्टी
- नींद से संबंधित समस्याएं : स्लीप एपनिया / खर्राटे
- चेस्ट ट्यूब ड्रेनेज, प्ल्यूरल इफ्यूज़न , सी.ओ.पी.डी., आई.एल.डी., ब्रोंकोस्कोपी
- एलर्जिक राइनाइटिस
- कोविड, कोविड के बाद की समस्याएं
- फेफड़ों के कैंसर की जाँच और मूल्यांकन, टीकाकरण

बाल चिकित्सा

- समय से पूर्व जन्मे तथा नवजात शिशुओं का उपचार
- टीकाकरण, फोटोथेरेपी
- बच्चों में संक्रमण और अन्य समस्याएं
- बच्चों में साँस या फेफड़ों सम्बन्धित बीमारियाँ

प्रसूति एवं स्त्री रोग

- सामान्य एवं सिज़ेरियन प्रसव, बांझपन, गर्भाशय निकालना
- सामान्य स्त्री रोग संबंधी विकार

हड्डी रोग

- ट्रॉमा मैनेजमेंट , रीढ़ की सर्जरी, आर्थ्रोस्कोपी
- रुमेटोलॉजी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, टी.एच.आर.
- इलिजारोव और जेस
- पोलियो और सॉफ्ट टिशु सर्जरी

ई.एन.टी.

- कान की माइक्रो सर्जरी, नाक की सर्जरी, टिम्पेनोमेट्री, एंडोस्कोपी, गले की सर्जरी, थायरॉइड सर्जरी
- ऑडियोमेट्री, ओ.ए.ई. और बेरा द्वारा श्रवण मूल्यांकन, हियरिंग एड्स
- स्पीच थेरेपी

दंत चिकित्सा

- रुट कैनाल उपचार
- जबड़े की हड्डी टूटना, मसूड़ों की बीमारी का इलाज
- लेज़र दंत चिकित्सा उपचार
- स्कैनर के साथ स्वच्छ दंत इमेज
- क्राउन और ब्रिज, लाइट क्योर फिलिंग
- पूर्ण और आंशिक डेन्चर , डेंटल इम्पलांट

यूरोलॉजी

- ओपन यूरोलॉजी सर्जरी
- पी.सी.एन.एल., यू.आर.सी.एल., टी.यू.आर.पी., टी.यू.आर.बी.टी.
- नेफ्रेक्टॉमी, लैप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी
- बच्चों मे मूत्र संबंधी समस्याएं , एंड्रोलॉजिकल समस्याएं
- वेसिकोवजाइनल फिस्टुला
- लेप पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी
- गुर्दे की पथरी की सर्जरी, प्रोस्टेट की सर्जरी
- मूत्र मार्ग की सर्जरी, स्टेपलर सरकमसीज़न
- रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी
- मिनी पी.सी.एन.एल., लेज़र यू.आर.एस.एल
- आर.आई.आर.एस. (बिना छेद के, बिना चीरा लगाए लेज़र स्टोन सर्जरी)
- गुर्दे का प्रत्यारोपण
- यूरोलॉजिकल कैंसर
- महिलाओं की मूत्र वितान संबंधी समस्याएँ

रेडियोलॉजी

- अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, सी.टी. स्कैन, आई.वी.पी., बेरियम अध्ययन
- अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रक्रियाएँ (एफ.एन.ए.सी., बायोप्सी, टैपिंग आदि)
- भ्रूण इको

लैब मेडिसिन

- क्लीनिकल पैथोलॉजी
- हेमेटोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलीजिकल जाँच पड़ताल
- सीरोलॉजिकल जाँच
- एफ.एन.ए.सी., पेप स्मीयर

सुपर स्पेशियलिटी क्लिनिक

विजिटिंग सलाहकार

- गैस्ट्रोलॉजी
- कार्डियोलॉजी
- न्यूरोलॉजी
- नेफ्रोलॉजी
- पेन मेडिसन
- प्लास्टिक सर्जरी

स्पेशल क्लिनिक

विज़िटिंग सलाहकार

- चर्म रोग विशेषज्ञ
- कैंसर विशेषज्ञ
- मनोरोग विशेषज्ञ

उपलब्ध सेवाएँ

- 24X7 आपातकालीन चिकित्सा
- ओ.पी.डी. एवं आई.पी.डी चिकित्सा
- 24X7 एक्स-रे, सी.टी. स्कैन, पैथोलॉजी, फार्मेसी
- बच्चों का टीकाकरण
- स्पेशल क्लिनिक
- सुपर स्पेशियलिटी क्लिनिक
- फिज़ियोथेरेपी
- संतों एवं जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क परामर्श एवं जेनेरिक दवाइयाँ
- निर्मल स्वास्थ्य जाँच

उपलब्ध सुविधाएँ

- एम्बुलेंस
- आधुनिक ऑपरेशन थिएटर
- सी.एस.एस.डी
- प्रसव कक्ष
- आई.सी.यू.
- पी.आई.सी.यू.
- एन.आई.सी.यू.
- रिकवरी वार्ड
- जनरल वार्ड, सेमी-प्राइवेट वार्ड एवं प्राइवेट वार्ड
- स्पेशल प्राईवेट वार्ड, डीलक्स वार्ड
- पारिवारिक प्रतीक्षा क्षेत्र
- कैंटीन
- लिफ्ट सुविधा
- ए.टी.एम. सुविधा
- लॉन्ड्री (धुलाई घर)

उपलब्ध विशेष सुविधाएँ

- एंडोस्कॉपी, ब्रोंकोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, सिग्मॉइडोस्कोपी
- वीडियो लेरिंगोस्कोपी
- ट्रांसनेज़ल एसोफेगोस्कोपी
- इमेज इन्टेंसीफायर
- डायलिसिस, किडनी बायोप्सी
- नॉनइन्वेसिव कार्डियोलॉजी (ई.सी.जी, इको, टी.एम.टी.)
- न्यूरोइलेक्ट्रोफिजियोलॉजी (ई.ई.जी.,एन.सी.वी.,ई.एम.जी., वी.ई.पी., ब्लिंक रिफ्लेक्स)
- पी.आर.पी. थेरेपी, यूरोफ्लोमेट्री

आउट सोर्स

- बायोप्सी एवं उच्चतर विशेष जाँच
- रक्त बैंक
- एम.आर.आई.